करुणा के सागर माता सविंदर

तर्ज: हमें और जीने की चाहत न होती (सुखों से सभी की झोलियाँ भर दे)

करुणा के सागर माता सविंदर -2

रहोगी सभी के ह्रदय के अन्दर -2

करुणा के सागर....

तप त्याग से सारा जीवन भरा था,

उद्धार माँ तुमने सब का करा था -2

मिशन को भी खूब उठाया है ऊपर -2

रहोगी सभी के ह्रदय के अन्दर ||1||

प्रेम का जल तुमने बरसाया सब पर ,

सुख से जियें जीवन सबको दिया वर -2

रहमत भरी तेरी अपनी नज़र -2

रहोगी सभी के ह्रदय के अन्दर ||2||

गुरुसिख गुरु बनकर जीवन बिताया ,

युगनिर्माता का फर्ज निभाया -2

इतिहास मे माँ -2 अब रहोगी अमर

रहोगी सभी के ह्रदय के अन्दर ||3||

आपने दिया हमको सद्गुरु सुदीक्षा,

इनसे मिलेगी अब जीवन की शिक्षा -2

आपका अजय हरदम करें ये शुकर-2

रहोगी सभी के ह्रदय के अन्दर ||4||